>

Title: Need to take stips to end the strike by Group 'C' and 'D' employees of C.G.H.S. and Government hospitals.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर): उपाध्यक्ष महोदय, मुझे खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि दिल्ली के अंदर स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से गड़बड़ा गई हैं और हजारों मरीजों की जिंदगी संकट में पड़ गई है। केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत काम करने वाले ग्रुप सी और डी, दिल्ली सरकार के अस्पतालों में, एम्स में और लोहिया में काम करने वाले ग्रुप सी और डी के कर्मचारी हड़ताल पर चले गये हैं। परिणामस्वरूप दिनांक 23 फरवरी, 2009 से उनकी हड़ताल शुरु हुई है और हड़ताल के कारण अस्पतालों के हजारों मरीजों का इलाज नहीं हो पा रहा है। इन अस्पतालों में ओपीडी बंद पड़े हुए हैं, लैब बंद पड़े हैं, उनमें टैस्ट नहीं हो रहे हैं, रेडियोलॉजी, एक्सरे तथा रक्तचाप विभाग इत्यादि में टैस्ट नहीं हो पा रहे हैं, स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित [r16]हैं।

इससे मरीजों की परेशानियां बढ़ रही हैं जिससे उनके परिजनों में असंतोÂा व्याप्त है। प्राइवेट अस्पताल लूट मचाए हैं। अतः आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध है कि तुंत इन स्वास्थ्यकर्मियों की हड़ताल समाप्त कराएं। इन्हें शुरू में मिलने वाली सुविधाओं में, भत्ते के सात सौ रुपए प्रतिमाह मिलते थे, उसे बरकरार रखते हुए इंश्योरेंस की नई स्कीम से उत्पन्न विसगंतियों को दूर किया जाए ताकि हड़ताल समाप्त हो और मरीजों की जान बच सके।

आपने मुझे बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं।

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : मैं रासा सिंह जी की बात का समर्थन करता हूं।

प्रो. रासा सिंह रावत : मान्यवर, हजारों मरीजों की जान संकट में है। अस्पताल में कोई काम नहीं हो रहा है। माननीय मंत्री जी यहां विराजमान हैं। दिल्ली में सारी अस्पताल की सेवाएं तीन दिन से अस्तव्यस्त हैं। सीओडी के कर्मचारी नहीं होने से कुछ भी काम नहीं हो रहा है इसलिए हड़ताल समाप्त कराई जाए। उन्हें सात सौ रुपए प्रतिमाह मिल रहे थे, उसे यथावत रखा जाए। छठे वेतन आयोग के अंतर्गत जो विसंगतियां पैदा हुई हैं, उन्हें दूर करने का प्रयास किया जाए।